MANOBAL
A NEW BEGINNING
FOUNDATION

MANOBAL
A NEW BEGINNING FOUNDATION

NEWSLETTER

अप्रैल - जून 2025
अंक 05

वह खो गयी थी, लेकिन अब मिल गयी है।

आज की दुनिया में, बड़ी संख्या में युवा बेहतर ज़िंदगी और सुनहरे भविष्य की तलाश में विदेश जाने का सपना देखते हैं। ऊँची तनख्वाह, आलीशान ज़िंदगी और विदेश में ज़िंदगी की चकाचौंध इस पीढ़ी को बेहद लुभाती है। कई लोगों को यह कामयाबी का सबसे आसान रास्ता लगता है। हालाँकि, इस लुभावने भ्रम के पीछे एक कठोर और खतरनाक सच्चाई छिपी है—जिसे बहुत से लोग तब तक नहीं देख पाते जब तक बहुत देर न हो जाए। दुख की बात है कि जो सपना शुरू होता है, वह अक्सर शोषण, दुर्व्यवहार और मानव तस्करी के दुःस्वप्न में बदल जाता है।

यह पूर्वोत्तर भारत की एक युवती दीक्षा की दिल दहला देने वाली कहानी है। लगभग 22 महीने पहले, रोज़गार की तलाश में, दीक्षा का संपर्क उसके धार्मिक समूह के सदस्य, बिकाश नाम के एक व्यक्ति से हुआ। बिकाश ने उसे दुबई में नौकरी दिलाने का वादा करते हुए विदेश में एक आदर्श ज़िंदगी की कल्पना की। यह एक सुनहरा मौका लग रहा था—जहाँ नियोक्ता सभी खर्चे भी उठाएगा। बिना किसी संदेह के, दीक्षा और उसका परिवार बिना किसी हिचकिचाहट के मान गए। कई अन्य लोगों की तरह, उन्हें भी लगा कि यही उसके लिए बेहतर ज़िंदगी का मौका है।

दुर्भाग्य से, दीक्षा जैसी कहानियाँ बहुत आम हैं। लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनकी तस्करी की जाती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आँकड़े बताते हैं कि जनवरी 2022 से मई 2024 के बीच, थाईलैंड, वियतनाम, म्यांमार और कंबोडिया में विजिटर वीज़ा पर गए 29,466 भारतीय कभी वापस नहीं लौटे—यह एक भयावह आँकड़ा है जो एक छिपे हुए संकट को दर्शाता है।

दीक्षा का सफ़र तब शुरू हुआ जब उसकी मुलाक़ात पश्चिम बंगाल के जयगांव में बिकाश से हुई। उसने उसे दुबई में अर्जुन नाम के एक एजेंट से मिलवाया, जो उसकी पत्नी नोरा के ज़रिए काम करता था। उन पर भरोसा करके, दीक्षा ने अपना पासपोर्ट सौंप दिया। इसके तुरंत बाद, उसे वीज़ा और दुबई का हवाई टिकट मिल गया, माना जाता है कि वह वहाँ बेबीसिटर का काम करेगी।

27 सितंबर 2023 को, दीक्षा अपनी नई नौकरी शुरू करने के लिए बागडोगरा से रवाना हुई। लेकिन अवसर की बजाय, उसे शोषण का सामना करना पड़ा। दुबई में जिस परिवार के लिए वह काम करती थी, उसने उसका शारीरिक शोषण किया। हताश और टूट चुकी दीक्षा ने आत्महत्या का भी प्रयास किया। मदद करने के बजाय, एजेंट ने उसे ओमान भेज दिया—नई नौकरी का वादा तो किया, लेकिन और भी ज़्यादा तकलीफ़ दी।

बात तब और भी बिगड़ गई जब दीक्षा का फेसबुक पर एक ऐसे आदमी से संपर्क हुआ जो खुद को श्रीलंकाई बताता था। उसने ज़्यादा तनख्वाह वाली बेहतर नौकरी का वादा किया। उस पर भरोसा करके, वह उससे मिलने गई, लेकिन ओमान में उसे एक 50 साल के आदमी को बेच दिया गया। उसका फ़ोन ज़ब्त कर लिया गया, उसका सिम कार्ड निकाल लिया गया, और वह दुनिया से कट गई—अकेली, बेबस और डरी हुई।

दीक्षा के शब्द थे: 'मैंने मान लिया है कि अब यही मेरी ज़िंदगी है, और मुझे ऐसे ही जीना है।' लेकिन एक रात, जब वह अपने कमरे में अकेली थी, उसने सोचा कि उसे एक बार कोशिश करनी चाहिए—यह उसकी आखिरी कोशिश हो सकती है। फिर भी, उसने

यह वही घर है जहाँ दीक्षा को आठ महीने तक बंदी बनाकर रखा गया था।

एक आखिरी कोशिश करने का फैसला किया। फिर उसने सोशल मीडिया के ज़रिए मनोबल से संपर्क किया।

जब मनोबल फ़ाउंडेशन की संस्थापक निर्मला ने आखिरकार दीक्षा से गुप्त रूप से बात की, तो उन्होंने ऐसी बातें बताईं जो किसी को भी नहीं झेलनी चाहिए। दो आदमियों ने उसके साथ बार-बार बलात्कार किया, उसे एक कमरे में बंद कर दिया और रोज़ाना उसके साथ दुर्व्यवहार किया। यहाँ तक कि उस आदमी का परिवार भी उसी घर में रहता था और उसकी पीड़ा में उसका साथ देता था। उसने पुलिस के पास जाने की गुहार लगाई, लेकिन उसे धमकियों और हिंसा का सामना करना पड़ा।

15 जून 2025 को, दीक्षा ने अपनी आपबीती और अपनी जगह का विवरण देते हुए एक व्हाट्सएप संदेश भेजा। मदद की उस एक पुकार ने घटनाओं की एक श्रृंखला शुरू कर दी। मनोबल फाउंडेशन ने तुरंत इम्पल्स एनजीओ नेटवर्क, आसाम से संपर्क किया, जिसने ओमान में भारतीय अधिकारियों और संबंधित सरकारी एजेंसियों से संपर्क किया।

मनोबल दीक्षा के लगातार संपर्क में रहे और उन्हें आश्वस्त किया कि बचाव कार्य चल रहा है। 20 जून को, उन्हें ओमानी सीआईडी से एक फ़ोन आया जिसमें बताया गया कि वे उसे लेने आएंगे। उसी रात, लगभग 11:30 बजे, उसे बचा लिया गया। मनोबल तब तक सीआईडी से जुड़े रहे जब तक दीक्षा को सुरक्षित पुलिस स्टेशन नहीं पहुँचा दिया गया।

कुछ समय तक हिरासत केंद्र में रहने के बाद, भारतीय दूतावास

हवाई अड्डे पर दीक्षा

ने अविश्वसनीय सहायता प्रदान की। उन्होंने एक यात्रा दस्तावेज़ जारी किया और तीन हफ़्तों के भीतर, दीक्षा घर वापसी की उड़ान पर थी।

जब दीक्षा भारत पहुँची, तो हमारी टीम ने उसका स्वागत किया। हवाई अड्डे पर उसके शब्द हमेशा हमारे दिलों में गूंजेंगे:
"मैंने भारत लौटने की उम्मीद छोड़ दी थी। मैंने अपनी माँ से कहा था कि मुझे मरा हुआ समझो। लेकिन मैं वापस आ गई हूँ—मौत को छूकर।"

आज, दीक्षा अपने परिवार के पास वापस आ गई है, सुरक्षित है और अपनी ज़िंदगी फिर से बना रही है। उसकी खिली हुई मुस्कान, इन सब के बावजूद, मानवीय साहस की ताकत का प्रमाण है। वह खो गई थी, लेकिन अब मिल गई है। और अब—यह जश्न मनाने का समय है। क्योंकि हर ज़िंदगी मायने रखती है।

दीक्षा की कहानी युवा सपने देखने वालों और उनके परिवारों के लिए एक चेतावनी बन जाए: हर चमकती चीज़ सोना नहीं होती। विदेशों में समृद्धि के वादे के पीछे अक्सर मानव तस्करी का साया छिपा होता है। जागरूक रहें। सवाल पूछें। और उन लोगों के लिए लड़ना कभी बंद न करें जो खामोशी में फँसे हैं।

मनीष वाल्टर
निर्देशक
मनोबल अ न्यू बिगिनिंग फाउंडेशन

जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से रोकथाम

दिल्ली के बामोली स्थित सरकारी सह-शिक्षा विद्यालय में जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में मानव तस्करी, POCSO और वयस्क शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आज एसबीवी बिजवासन भरथल, दिल्ली में प्राथमिक छात्रों के लिए POCSO, गुड टच और बैड टच पर जागरूकता सत्र

मनोबल ने दिल्ली के विकासपुरी स्थित राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तीन दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया। इस सत्र में मानव तस्करी, पॉक्सो और किशोर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस जागरूकता अभियान से 800 से ज़्यादा बच्चों को लाभ हुआ।

सरकारी सह-शिक्षा विद्यालय, महावीर एन्क्लेव में जागरूकता सत्र

आनंदग्राम स्थित सेंट फ्रांसिस चर्च में मानव तस्करी, पॉक्सो और आत्मरक्षा पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मनोबल ने जागरूकता सत्र का संचालन किया, जबकि दिल्ली पुलिस ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण का नेतृत्व किया।

बचाव और पुनर्वास

हाल ही में, असम के इम्पल्स एनजीओ नेटवर्क के सहयोग से मनोबल ने एक बचाव अभियान चलाया। एक 23 वर्षीय लड़की, जिसे तस्करी करके दुबई ले जाया गया था और बाद में ओमान में बेच दिया गया था, मनोबल से मदद माँगी और उसे बचा लिया गया। अब वह भारत लौट आई है। पूरी ख़बर पहले पन्ने पर पढ़ें।

पिछले साल, युगांडा की एक मानव तस्करी पीड़िता ने मनोबल से मदद मांगी थी। मनोबल ने उसे कागजी कार्रवाई में मदद की और उसके निर्धारित अवधि से ज़्यादा समय तक रहने का जुर्माना भरने के लिए पैसे का इंतज़ाम किया। अब वह सुरक्षित अपने देश वापस आ गई है और खुशी-खुशी अपने परिवार के साथ मिल गई है।

मनोबल और दिल्ली पुलिस ने नाबालिग लड़कियों की तलाश करने और जबरन यौन कार्य को रोकने के लिए वेश्यालय के अंदर नियमित निरीक्षण किया।

दिल्ली के एक वेश्यालय से एक नाबालिग लड़की को छुड़ाया गया। एक साल बाद, वह सफलतापूर्वक अपने परिवार से मिल गई है और अब अपनी स्कूली शिक्षा जारी रख रही है।

पिछले साल बचाई गई एक मानव तस्करी पीड़िता वर्तमान में पुनर्वास कार्यक्रम में है और बेकरी का कोर्स कर रही है। मनोबल उसे नियमित परामर्श सत्र प्रदान कर रहे हैं। अब वह स्वस्थ है और अच्छा कर रही है।

23 साल के संघर्ष के बाद, उसे आखिरकार आज़ादी मिली और वह अपने परिवार से मिल गई। लेकिन उसका सफ़र यहीं खत्म नहीं हुआ—वह एक बार फिर एक तस्कर के जाल में फँस गई। हालाँकि इस बार उसे जल्दी बचा लिया गया, लेकिन उसने अपना सारा पैसा गँवा दिया। अब वह एक अकेली माँ है और अपने बच्चे की देखभाल कर रही है। ज़िंदगी ने उसे एक और मौका दिया है—ठीक होने और फिर से ज़िंदगी संवारने का। वह वर्तमान में मनोबल के पुनर्वास कार्यक्रम का हिस्सा है और उसे मनोबल से आजीविका सहायता मिल रही है।

पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण

राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) ने हरियाणा पुलिस और आरपीएफ के लिए एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। निर्मला बी. वाल्टर ने इस सत्र का नेतृत्व किया और अपने अनुभव साझा किए। इसका विषय था 'मानव तस्करी के आयाम'। यह दो दिवसीय कार्यक्रम था, और दूसरे दिन निर्मला बी. वाल्टर ने 'बचाव, पुनर्वास और पुनः एकीकरण' विषय पर एक और सत्र का संचालन किया।

मनोबल ने कमला मार्केट पुलिस स्टेशन में एक सत्र आयोजित किया। मनोबल की ओर से गौरव गिल ने मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक भाषा पर सत्र का नेतृत्व किया। यह सत्र दिल्ली पुलिसकर्मियों के लिए, उनकी व्यस्त और तनावपूर्ण ज़िंदगी को देखते हुए, बेहद उपयोगी साबित हुआ।

9 जून को, डीसीपीयू ने दिल्ली के डाबरी पुलिस स्टेशन में अधिकारियों के लिए पोक्सो के कानूनी पहलुओं पर दो दिवसीय जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य बाल संरक्षण कानूनों के बारे में उनकी समझ को मज़बूत करना और प्रभावी कार्यान्वयन में सहायता करना था। मनोबल की ओर से, सत्र का संचालन अधिवक्ता उत्कर्ष सिंह ने किया। पोक्सो सत्र का दूसरा दिन बिंदापुर पुलिस स्टेशन में आयोजित किया गया।

मनोबल ट्यूशन सेंटर

स्कूल परिणाम उत्सव
छात्रों ने अपनी कक्षाएँ उत्तीर्ण करने पर अपनी शैक्षणिक सफलता का जश्न मनाया। उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए और उन्होंने मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया, जिसके बाद भोजन का आयोजन किया गया।

ट्यूशन सेंटर की छात्राओं के लिए मनोबल ने पाठ्येतर गतिविधियों हेतु एक छोटा पुस्तकालय और इनडोर खेल का आयोजन किया।

संसाधनों की ज़िम्मेदारी और देखभाल
अपनी शैक्षणिक पढ़ाई के साथ-साथ, छात्राओं ने कंप्यूटर, कुर्सियाँ, पुस्तकालय और ट्यूशन सेंटर के बुनियादी ढाँचे सहित उन्हें उपलब्ध कराए गए संसाधनों के रखरखाव की सक्रिय ज़िम्मेदारी ली।

नेत्र जाँच शिविर
छात्रों, उनके अभिभावकों और ट्यूशन सेंटर क्षेत्र के निवासियों के लिए एक निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया।

अभिभावक-शिक्षक बैठक
बच्चों के प्रदर्शन के बारे में प्रतिक्रिया साझा करने के लिए एक मासिक अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई। अभिभावकों को अपने बच्चों की शैक्षणिक यात्रा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने हेतु परामर्श भी दिया गया।

मज़दूर दिवस समारोह
बच्चों ने संबंधित विषयों पर पोस्टर बनाकर ट्यूशन सेंटर में मज़दूर दिवस मनाया। शिक्षकों ने उन्हें इस दिन के महत्व के बारे में शिक्षित किया और बहुमूल्य जानकारी साझा की।

जन्मदिन समारोह
अप्रैल और मई में जिन छात्रों का जन्मदिन था, उनके लिए एक संयुक्त जन्मदिन समारोह आयोजित किया गया। पूरे ट्यूशन समुदाय ने इस समारोह में खुशी-खुशी भाग लिया।

ग्रीष्मकालीन अवकाश गतिविधियाँ
ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान, बच्चों ने पुस्तकालय का भरपूर उपयोग किया और कहानियों की किताबें पढ़ने और नए विचारों की खोज करने का आनंद लिया।

मातृ दिवस समारोह
मातृ दिवस मनाने के लिए, केंद्र ने छात्रों की माताओं को आमंत्रित किया। बच्चों ने कविताएँ सुनाकर और भावपूर्ण शायरी प्रस्तुत करके अपना प्यार और आभार व्यक्त किया। माताएँ भावुक हो गईं और उन्होंने गर्मजोशी से गले मिलकर और स्नेह भरे शब्दों के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की।

समूह परामर्श सत्र

ट्यूशन केंद्र में बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए समूह परामर्श का आयोजन किया गया।

वाटर पार्क में पिकनिक

छात्रों ने वाटर पार्क की मनोरंजक यात्रा का आनंद लिया। उन्होंने वाटर एक्टिविटीज़ में भाग लेकर खूब आनंद लिया और साथ में खाना खाया। आभार प्रकट करने के लिए, उन्होंने एक हस्तनिर्मित धन्यवाद कार्ड बनाया।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, बच्चों ने रचनात्मक चित्रों और प्रकृति की रक्षा कैसे करें, इस पर चर्चाओं के माध्यम से अपनी पर्यावरण जागरूकता व्यक्त की।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर, मनोबल ट्यूशन सेंटर के बच्चों ने बाल शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के लिए एक जागरूकता गतिविधि में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

छात्रों ने योगाभ्यास करके और स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन के महत्व पर चर्चा करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

ट्यूशन सेंटर की लड़कियों ने वाईएमसीए में एक नुक्कड़ नाटक उत्सव-सह-प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्होंने बाल विवाह विषय पर एक नाटक प्रस्तुत किया। इस तरह के मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का यह उनका पहला अवसर था। ट्यूशन सेंटर की लड़कियों ने वाईएमसीए में एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

दिल्ली में टीमलीज़ फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित 'भारत को रोज़गार-योग्य बनाने' पर गोलमेज सम्मेलन में मनोबल का प्रतिनिधित्व करते हुए मुझे सम्मानित महसूस हो रहा है।

हमने यौन तस्करी पीड़ितों के लिए आवाज़ उठाई – सम्मानजनक रोज़गार, समानता और स्थायी आजीविका के उनके अधिकार के लिए। भारत को दान से कहीं ज़्यादा की ज़रूरत है – उसे सशक्त बनाने वाले पारिस्थितिकी तंत्र की ज़रूरत है। शिक्षा से रोज़गार तक, दृष्टि से कार्य तक – आइए मिलकर समावेशी भविष्य का निर्माण करें।

हर साल की तरह, मनोबल ने इंटर्नशिप पार्टनर JIMS कॉलेज, सेक्टर-3, रोहिणी के सहयोग से स्नातक और स्नातकोत्तर मनोविज्ञान के छात्रों के लिए अपना ऑफ़लाइन फोरेंसिक मनोविज्ञान इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया है। ओरिएंटेशन सत्र का संचालन गौरव गिल ने किया, जबकि मनीष वाल्टर ने मनोबल का परिचय दिया।

यह कक्षाएं अगस्त माह तक जारी रहेंगी। इस दौरान, छात्र पुलिस विभाग के कामकाज का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए विभिन्न पुलिस थानों और अधिकारियों से मिलेंगे।

यूथ लाइट द्वारा मनोबल को देहरादून में मानव तस्करी पर एक सत्र आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। लगभग 70 युवा प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया और लाभान्वित हुए।

'निक्षय पोषण योजना' के अंतर्गत, मनोबल ने लखनादौन, मध्य प्रदेश में तपेदिक से प्रभावित 8 बच्चों को पोषण सहायता प्रदान की।

छात्रों के लिए मनोबल का नया परामर्श केंद्र।

एक सेक्स वर्कर के साथ एक-एक परामर्श सत्र

Upcoming event

ONE WALK VOICE ONE RIDE VOICE

End the Exploitation

WORLD DAY AGAINST TRAFFICKING IN PERSONS

27 July 2025 and 30 July 2025

Cheques and DDs in favur of **Manobal A New Beginning Foundation**
Canara Bank, Lakhnadon Seoni MP
IFSC Code - **CNRB0005572**, Account number - **120002429066**
All donations sent to **Manobal A New Beginning Foundation**
are exempted under section 80(G) of the IT Act of 1961.

UPI

Follow us on

DELHI OFFICE:
RZ-122, STREET NO. 03, PALAM - DABRI MARG, VAISHALI, NEW DELHI-110045
+91 98112 18089 INFO@MANOBAL.COM WWW.MANOBAL.COM